moneycontrol

बाजार में किसी बड़ी गिरावट की आशंका नहीं, स्मॉलकैप , माइक्रोकैप शेयरों से रहें सतर्क: देविना मेहरा

देविना मेहरा का कहना है कि बाजार में किसी बड़ी गिरावट की आशंका नहीं है। एक दशक तक बाजार ने अच्छा रिटर्न नहीं दिया था। बाजार काफी लंबे समय के बाद ठीक से चला है। उनका कहना है कि जब बाजार ट्रेडलाइन के ऊपर रहे तब बाजार में क्रैश की संभावना ज्यादा होती है। लेकिन यह स्थिति अभी बाजार में नजरनहीं आ रही है

January 10, 2024

देविना मेहरा का कहना है कि बाजार में किसी बड़ी गिरावट की आशंका नहीं है। एक दशक तक बाजार ने अच्छा रिटर्न नहीं दिया था।

बाजार के आगे के आउटलुक पर बात करते हुए **फर्स्ट ग्लोबल की चेयरपर्सन और MD देविना मेहरा** का कहना है कि बाजार में किसी बड़ी गिरावट की आशंका नहीं है। एक दशक तक बाजार ने अच्छा रिटर्न नहीं दिया था।

बाजार काफी लंबे समय के बाद ठीक से चला है। उनका कहना है कि जब बाजार ट्रेडलाइन के ऊपर रहे तब बाजार में क्रैश की संभावना ज्यादा होती है। लेकिन यह स्थिति अभी बाजार में नजरनहीं आ रही है। हालांकि बाजार में छोटे-मोटे करेक्शन दिख सकते हैं। ऐसे में निवेशकों को स्मॉलकैप , माइक्रोकैप शेयरों में सतर्क रहने की जरुरत है।

गौरतलब है कि देविना मेहरा , जो कि निवेश और रिसर्च की दुनिया में बड़ा नाम है। ये भारतीय बाजार के साथ दुनिया के अन्य मार्केट की भी अच्छी समझ रखती हैं। FIRST GLOBAL को देविना तीन दशक से लीड कर रही है। इससे पहले वो सिटी बैंक के साथ भी 7 वर्षों तक काम चुकी हैं। बाजार के आगे की चाल पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि 5 हजार करोड़ रुपये से कम मार्केटकैप वाली कंपनियों पर सतर्क रहने की सलाह होगी।

इंडस्ट्रियल और कैपिटल गुड्स सेक्टर पर ओवरवेट

2024 के लिए कौन सी थीम बेहतर करती नजर आएगी? इस सवाल का जवाब देते हुए देविना मेहरा ने कहा कि पूरे साल के लिए तो मैं किसी एक थीम पर राय नहीं दे सकती है क्योंकि वह भी पूर्वानुमान ही होगा। हम हर तिमाही में बाजार की चाल पर तय करते है कि आगे कौन सी थीम बेहतर करती नजर आएगी। उन्होंने आगे कहा कि 2021 से हम इंडस्ट्रियल और कैपिटल गुड्स सेक्टर पर ओवरवेट है। 2023 में हमने फार्मा, ऑटो, ऑटो कंपोनेंट शेयरों पर अपना वेट बढ़ाया है। जबकि बैंकिंग शेयरों में अपना वेटेज घटाया है।

पेंट्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयरों में निगेटिव नजरिया

पेंट्स शेयरों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पेंट्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयरों पर हमारा नजरिया निगेटिव ही बना हुआ है। क्रूड में ज्यादा गिरावट की संभावना नजर नहीं आ रही है। वहीं अर्थव्यवस्था में भी जो कुछ अच्छा हो रहा है वह ऊपरी तबके के लिए हो रहा है। जिसके चलते कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयरों पर हम ज्यादा पॉजिटीव नहीं है।